मोरी सुरती पिया में समाय गई रे सिंगाजी भजन

समाय गई रे समाय गई रे,
मोरी सुरती पिया में,
समाय गई रे।bd।

जब से संग सतगुरु जी की पाई,
जब से संग सतगुरु जी की पाई,
भगति के रंग में रंगाय गई रे,
मोरी सुरती पिया मे,
समाय गई रे।bd।

नख सिख मेल उतार दिए सब,
नख सिख मेल उतार दिए सब,
पिया के मन को ये भाय गई रे,
मोरी सुरती पिया मे,
समाय गई रे।bd।

कहे हरिदास भीकू बाई शरणे,
कहे हरिदास भीकू बाई शरणे,
जग को ये पीठ दिखाय गई रे,
मोरी सुरती पिया मे,
समाय गई रे।bd।

समाय गई रे समाय गई रे,
मोरी सुरती पिया में,
समाय गई रे।bd।

प्रेषक – प्रमोद पटेल।
यूटचूब पर – 1.निमाड़ी भजन संग्रह।
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा
9399299349

---

https://youtu.be/-poGzPDpXwM

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com